

13. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 8

४ संस्कार - गृह गीति उच्चारण होना है वेज, मावना, दिनचरि स्थापना । वेज गीति का अर्थ है

22 सीमा (सीमा) - विकास की लवटुओं का
पुनर् हो इसका निवास प्राप्त हुआ। जल वायु
मार्ग है।

मौलिक अधिकारों की व्याख्या में वे ही गुण शामिल हैं जो निहित रूप से मौलिक हैं। अतः अर्थों को मौलिक मानना एक निश्चित दृष्टिकोण का प्रतीक है।

१२२ निम्न पुत्र -

① पत्तली दो प्रकार की हैं - मजबूत एवं
मजबूत, मजबूत, पत्तली

(9) $\frac{1}{2}$ kg का बल का मापन $\frac{1}{2}$ -

① धृतराष्ट्र (i), सायमल्य (ii), समवेत (iv) विद्युत्

(13) $\frac{1}{2} \log_2 \frac{1}{2} = \frac{1}{2} \log_2 \frac{1}{2}$

(2) मरिचा (3) आम्र (4) अमर (5) अमर

(4) કેસો દિવસ મેં ગણી પડ્યાની સી મિલકત -

① 3 (ii) 4 (iii) 6 (iv) 7

15) ਦੀਰਘਿਅਤਾ ਦੇ ਧਰਮ - (1) ਅਧਿਯਾਨ

(11) $\frac{1}{2} \times 100 = 50\%$ (12) $\frac{1}{2} \times 100 = 50\%$

16। देशोपनिषद् में प्रकाश की संज्ञा (1) मात्र 6

(ii) (iii) (iv) वृत्तों में कोण 90°

मति का विशिष्ट गुण है - (1) (42)

11) ଅନ୍ୟ (11) / ୧୫ (10) ଶତକ ଶତକ -

(8) वंशोपनिषद् में गुणों की संख्या (1) प्रदत्त (11)
बीस (111) - अविहीन (114) पञ्चविहीन

(7) मूलमन्त्र द्वारा वास्तुओं की विभिन्नता का स्नेहान होता है। यह सभी दुल्ल में पाया जाता है।

(8) लंघनोत्तर-अलग अलग वास्तुओं को आपस में संयुक्त करता है। इसके निवाह सभी दुल्ल में है।

(9) विभागा आपस में मिले हुए दुल्लों को पुनः कर रहा है।

(10) दूरत्व और अपदत्व दूरे और निकट प्रत्यक्ष का आभास है। इनमें से प्रत्यक्ष को प्रकार देते हैं। कारिण्य और वैशिश्व

(11) स्नेह के कारण चूर्ण वास्तु में पिंडी भावप्राप्ति जिसका माला होता विभक्त पद ।

(12) शब्द के अवलंबेन्द्रिय द्वारा ग्रहण किया जाता है यह आकाश का विशेष गुण है।

(13) यदि शब्द मात्र के व्यवहार का मूल कारण है वह तो मोहन यदि अन्याय बत कहे लाती है।

(14) मुख्य-मुख्य वही वेदना जो सभी को अनुभव

(15) जान पड़े मुख्य है और जो वेदना/अनुभव जान पड़े वह दुःख है।

(16) इच्छा किसी प्रति अनुशासन को कहा जाता है।

(17) जिसके द्वारा मात्मा में विरहित मानव जगत पर सब उपद्रव हो सके कहते हैं।

(18) उत्पन्न मात्मा भी मोह्य है अर्थात् का परिमित गुण उत्पन्न कहलाता है।

(19) अर्थानामार्थ मुख्य एवं दुःख विशेष कारण है जिसके द्वारा कर्मों के मुख एवं मोह प्राप्ति है।

(20) अर्थ एवं जिसके द्वारा कर्मों के दुःख मिलें उसे